डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय

समाचारिकी

DR. SARVEPALLI RADHAKRISHNAN RAJASTHAN AYURVED UNIVERSITY

NEWSLETTER

आयुर्वेदात्मकं ज्योति शाश्वतं नः प्रकाशताम्।

वर्ष–2 | अंक–4 | 1 अप्रैल, 2019

कुलपति सन्देश

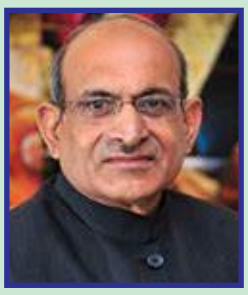

भारतवर्ष विश्व संस्कृति का अधिष्ठान है और मुझे यह कहने में बड़ा गर्व है कि किसी भी विधा के प्राचीनतम स्रोत में भारतीय संस्कृति का ताना–बाना बुना हुआ मिलेगा। आश्चर्यजनक तथ्य यह है कि भारतीय मेधा के वे प्राचीनतम सिद्धांत वर्तमान में भी प्रासंगिक है। मिसाल के तौर पर आयुर्वेद चिकित्सा विज्ञान। सदियों से जीना सिखाता आ रहा हमारा यह जीवन विज्ञान आज भी उतना ही व्यावहारिक है जितना वैदिक काल में था। सृष्टि के सूक्ष्मतम प्राणी से लेकर स्थूलतम प्राणी किस प्रकार अपना जीवन सार्थक बना सकते हैं, किस प्रकार जीवन के प्रत्येक क्षण को आनंदमय स्वरूप में बदल सकते हैं, आयुर्वेद विज्ञान इसका एक चमत्कारी माध्यम है। दिनचर्या, ऋतुचर्या, जीवन जीने के सदाचार आदि सिद्धान्तों से आयुर्वेद के आचार्य जीवन को रोग से रहित बनाने की अनुपम प्रणाली प्रस्तुत करते हैं, वहीं किसी कारणवश रोगों से ग्रस्त होने पर रोगोपचार की विशद विवेचना भी आयुर्वेद में देखने को मिलती है। पश्चिमी राजस्थान में विश्वविद्यालय जैसे केंद्र के रूप में आयुर्वेद को प्रतिस्थापित करके शासन ने इस विधा के प्रति अपने दृढ़ विश्वास को प्रकट किया है।

विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा विश्वविद्यालय के कड़वड़ परिसर स्थित विश्वविद्यालय चिकित्सालय के माध्यम से प्रभावी पंचकर्म चिकित्सा, क्षारसूत्र चिकित्सा एवं निस्संतानता जैसे अभिशप्त रोगों के सफल उपचार, विश्वविद्यालय के योग प्रशिक्षक द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित योग कार्यक्रम में सहभागिता आदि अनेक उपलब्धियों से विश्वविद्यालय की साख चतुर्दिक् प्रशस्त हुई है। विश्वविद्यालय के गोद ग्राम घड़ाव एवं झालामण्ड की समुन्नत अवस्था, मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए राजस्थान में जगह जगह काढ़े का निःशुल्क वितरण एवं निःशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविरों के आयोजन के माध्यम से निस्सन्देह विश्वविद्यालय आयुर्वेद को संजीवित कर रहा है। प्रतिमासिक स्वर्णप्राशन प्रकल्प से हजारों शिशु आज स्वस्थ किलकारी ले पा रहे हैं। इन गतिविधियों के अतिरिक्त विगत माह में आयुर्वेद के माध्यम से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य विषयक कौमारकॉन–2019 के रूप में पहली अन्तरराष्ट्रीय सेमिनार के सफल आयोजन से चिकित्सीय शोध के क्षेत्र में भी विश्वविद्यालय ने अपनी गुणवत्ता सिद्ध की है। विश्वविद्यालय के मगरा पूंजला स्थित सेटेलाईट चिकित्सालय के आयुर्वेद विशेषज्ञों के माध्यम से भी जोधपुर की जनता को स्वास्थ्य संरक्षण एवं रोगों का उपचार उपलब्ध करवाया जा रहा है। विश्वविद्यालय के टोंक स्थित यूनानी चिकित्सालय में विशेषज्ञ यूनानी चिकित्सकों के माध्यम से जनसामान्य को स्वास्थ्य संरक्षण एवं रोगों से मुक्ति का कार्य सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय की इन उपलब्धियों के लिए सम्पूर्ण विश्वविद्यालय परिवार बधाई का पात्र है। विश्वविद्यालय इसी प्रकार कीर्ति के सोपानों पर उत्तरोत्तर प्रगति करता रहे, ऐसी मेरी कामना है।

प्रो. भागीरथ सिंह

संरक्षक

प्रो. भागीरथ सिंह

कुलपति

उप संरक्षक

श्री अरुण कुमार पुरोहित RAS

कुलसचिव

सम्पादक

डॉ. राकेश कुमार शर्मा

एसोसियेट प्रोफेसर, रचना शारीर

सह–सम्पादक

डॉ. मोनिका वर्मा
असिस्टेण्ट प्रोफेसर
मौलिक सिद्धान्त

डॉ. अरुण दाधीच
असिस्टेण्ट प्रोफेसर
रोग एवं विकृति विज्ञान

डॉ. अनामिका सोनी
असिस्टेण्ट प्रोफेसर
काय चिकित्सा

सम्पर्क :

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय

कड़वड़, नागौर रोड, राष्ट्रीय राजमार्ग सं.–65 जोधपुर (राज.)

Phone : 0291-2795312

Fax : 0291-2795300

Email : rau_jodhpur@yahoo.co.in

Website : www.education.rajasthan.gov.in/raujodhpur

इन्टरनेशनल कॉन्फ्रेन्स ऑन मदर एण्ड चाइल्ड हैल्थ केयर थ्रू आयुर्वेद का आयोजन :– विश्वविद्यालय द्वारा अमेरिका की ग्लोबल आयुर्वेद अकादमी एवं एसोसियेशन ऑफ आयुर्वेद प्रोफेशनल्स ऑफ नॉर्थ अमेरिका (**AAPNA**) के सहयोग से दिनांक 01 फरवरी से 03 फरवरी तक तीन दिवसीय प्रथम अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी **इन्टरनेशनल कॉन्फ्रेन्स ऑन मदर एण्ड चाइल्ड हैल्थ केयर थ्रू आयुर्वेद (कौमारकोन–2019)** का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. रघु शर्मा, माननीय मंत्री महोदय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, आयुर्वेद एवं भारतीय चिकित्सा विभाग राजस्थान सरकार द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति प्रोफेसर राधेश्याम शर्मा द्वारा की गई। इनके अतिरिक्त उद्घाटन समारोह में उत्तराखण्ड आयुर्वेद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर अभिमन्यु कुमार, आयुर्वेद एवं भारतीय चिकित्सा विभाग के प्रमुख शासन सचिव श्री अश्विनी भगत, निदेशक, आयुर्वेद

Happiness comes at the end of hardship.

राजस्थान सरकार श्रीमती स्नेहलता पंवार, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के निदेशक एवं विश्वविद्यालय के आयुर्वेद संकाय के डीन प्रोफेसर संजीव शर्मा, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद के प्राचार्य प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल, जापान से वैद्य हरिशंकर शर्मा, डॉ. इनामुरा हिरोय शर्मा, अमेरिका से डॉ. शेखर अन्नम्भोटला, यूनाईटड किन्गडम से डॉ. वेन्कटा एन. जोशी सहित बड़ी संख्या में अन्तरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर के मानद् प्रतिनिधियों ने भाग लिया। उद्घाटन समारोह के अवसर पर माननीय अतिथियों द्वारा श्री वेंकैया नायडू, माननीय उपराष्ट्रपति भारत गणराज्य, श्री नरेन्द्र मोदी माननीय प्रधानमन्त्री, भारत सरकार, श्री कल्याण सिंह, माननीय राज्यपाल, राजस्थान सरकार, श्री अशोक गहलोत माननीय मुख्यमन्त्री, राजस्थान सरकार, डॉ. रघु शर्मा माननीय चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं आयुर्वेद मन्त्री, राजस्थान सरकार, वैद्य राजेश कोटेचा, माननीय शासन सचिव आयुष विभाग, भारत सरकार, श्री अश्विनी भगत, माननीय आयुर्वेद सचिव, राजस्थान सरकार एवं अन्य कई अन्तरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय विद्वानों के सन्देशों एवं समस्त प्रतिभागियों के शोधपत्र सारांशों से युक्त एक सोवेनियर का विमोचन किया गया।

कॉन्फ्रेन्स के आयोजन सचिव स्नातकोत्तर कौमारभृत्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रेमप्रकाश व्यास ने बताया कि इस तीन दिवसीय कान्फ्रेन्स में देश–विदेश से 350 से अधिक विद्वानों ने भाग लिया एवं अपने शोध पत्र 3 अलग–अलग सेमिनार कक्षों काश्यप हॉल, सुश्रुत हॉल एवं जीवक हॉल में आयोजित विभिन्न सत्रों के दौरान प्रस्तुत किये। समागत प्रतिनिधियों को राजस्थान की संस्कृति से अवगत करवाने हेतु कॉन्फ्रेन्स के दौरान प्रथम दिवस रंगारंग सांस्कृतिक संध्या का आयोजन भी किया गया जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी साहित्यिक एवं गायन प्रतिभा का परिचय भी दिया। इसी प्रकार द्वितीय दिवस सायंकाल राजस्थान की भौगोलिक विशेषता से रूबरू करवाने के लिए जोधपुर के समीपवर्ती नगर ओसियां में रेगिस्तानी **धोरां री धरती** स्थित एक रिसॉर्ट में भ्रमण का कार्यक्रम भी रखा गया। जहां पर आयोजित रंगारंग सांस्कृतिक संध्या में राजस्थानी लोकनृत्य एवं लोकगीत एवं राजस्थानी भोजन का सभी प्रतिभागियों ने रसास्वादन किया। समस्त प्रतिभागी इन सब व्यवस्थाओं से अत्यन्त अभिभूत हुए। कार्यशाला के सोल इवेन्ट पार्टनर डॉबर इण्डिया लिमिटेड ने विभिन्न व्यवस्थाओं में पूर्ण मनोयोग से इस कॉन्फ्रेन्स को सफल बनाने में अपना महति योगदान दिया।

प्रोफेसर भागीरथ सिंह आयुर्वेद विश्वविद्यालय के नवीन कुलपति नियुक्त :– विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति प्रोफसर बलराज सिंह के दिनांक 25 मार्च 2019 को सेवानिवृत्त होने पर राजस्थान राज्य के माननीय राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री कल्याण सिंह ने विश्वविद्यालय के कुलपति का अतिरिक्त दायित्व महाराज गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर के कुलपति प्रोफेसर भागीरथ सिंह को प्रदान किया। प्रो. भागीरथ सिंह ने दिनांक 25 मार्च 2019 को नया पदभार ग्रहण किया। प्रो. सिंह महाराज गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर के कुलपति नियुक्त होने से पूर्व महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर एवं रॉफेल्स विश्वविद्यालय, अलवर (निजी विश्वविद्यालय) के कुलपति पद पर भी कार्य कर चुके हैं। आप इण्डियन कॉमर्स एसोसियेशन, नई दिल्ली के अध्यक्ष हैं। इसके अतिरिक्त आप राष्ट्रीय स्तर की कई महत्त्वपूर्ण समितियों में चेयरमैन के रूप में कार्य कर रहे हैं।

कुलपति प्रोफेसर राधेश्याम शर्मा के सेवानिवृत्त होने पर विदाई समारोह आयोजित :–दिनांक 18 फरवरी 2018 को प्रोफेसर राधेश्याम शर्मा के विश्वविद्यालय के कुलपति पद पर अपना द्वितीय कार्यकाल पूर्ण कर सेवानिवृत्त होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भावभीनी विदाई दी गई। ध्यातव्य है कि प्रोफेसर शर्मा विश्वविद्यालय में लगातार दूसरी बार कुलपति पद हेतु चयनित हुए थे। आयुर्विश्व 2017, विश्वविद्यालय का द्वितीय दीक्षांत समारोह, स्नातकोत्तर अध्ययन प्रारम्भ करवाना, पंचकर्म सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स, पीजी छात्रा छात्रावास, कॉटेज वार्ड आदि कार्य प्रोफेसर शर्मा के द्वितीय कार्यकाल की प्रमुख उपलब्धियां रहीं। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. देवाराम सुथार, वित्त नियन्त्रक श्री अतुल बल रतनू, महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल सहित विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

कुलपति प्रोफेसर बलराज सिंह संक्षिप्त कार्यकाल के पश्चात् सेवानिवृत्तः– दिनांक 18 फरवरी 2019 को प्रो. राधेश्याम शर्मा के सेवानिवृत्त होने पर राजस्थान राज्य के माननीय राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री कल्याण सिंह ने आदेश जारी कर राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति प्रोफेसर बलराज सिंह को आयुर्वेद विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति का अतिरिक्त दायित्व सौंपा। प्रोफेसर बलराज सिंह ने 19 फरवरी 2019 को कुलपति पद का कार्यभार ग्रहण किया। प्रो. सिंह के पास श्री नरेन्द्र कर्ण कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के कुलपति पद का भी अतिरिक्त दायित्व था। प्रो. सिंह के दिनांक 25 मार्च 2019 को सेवानिवृत्त होने पर आयोजित कार्यक्रम में उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर कुलसचिव श्री अरुण कुमार पुरोहित, वित्त नियन्त्रक श्री अतुल बल रतनू, महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल, परामर्शी प्रो. आर.पी.सिंह, सहायक कुलसचिव श्री महेन्द्र सिंह, परीक्षा नियंत्रक श्री शशि शेखर जोशी आदि उपस्थित थे।

श्री अरुण कुमार पुरोहित विश्वविद्यालय के नये कुलसचिव नियुक्त :– डॉ. देवाराम सुथार (आरएएस) का स्थानांतरण मुख्य कार्यकारी अधिकारी, ज़िला परिषद्, चूरू के पद पर किये जाने पर राज्य सरकार द्वारा उनके स्थान पर श्री अरुण कुमार पुरोहित (आरएएस) को विश्वविद्यालय के कुलसचिव के पद पर स्थानांतरित किया गया। श्री पुरोहित ने दिनांक 05 मार्च 2019 को पदभार ग्रहण किया। श्री पुरोहित राजस्थान प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी हैं। वे इससे पूर्व अतिरिक्त कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, श्रीगंगानगर, सचिव–जोधपुर विकास प्राधिकरण, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद्, जोधपुर, अतिरिक्त कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, बाड़मेर, अतिरिक्त कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, पाली, अतिरिक्त कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, जालोर, आयुक्त, नगर परिषद्, पाली एवं पोखरण, बाली व पाली में उपखण्ड अधिकारी आदि के पदों पर भी कार्य कर चुके हैं।

If it matters to you, you will find a way.

सम्पादकीय

आयुर्वेद विज्ञान वैदिक काल से ही मानव मात्र के स्वास्थ्य संरक्षण एवं रोगमुक्ति हेतु सन्नद्ध है। यह पूर्णतः निरापद, प्राकृतिक एवं सम्पूर्ण चिकित्सा पद्धति है। आयुर्वेद चिकित्सा शास्त्रों में दिनचर्या, ऋतुचर्या, गर्भिणीचर्या, शिशुचर्या आदि के रूप में मानव जीवन के स्वास्थ्य संरक्षण के प्रत्येक पक्ष पर विस्तृत रूप से चर्चा की गयी है। यदि मानव इन सिद्धान्तों की अक्षरशः पालना करे तो कभी भी अस्वस्थ न हो। किन्तु फिर भी प्रज्ञापराध या आगन्तुक कारणों से यदि कोई व्याधि समुत्पन्न होती है तो आयुर्वेद में बताये चिकित्सा सूत्रों एवं उनमें वर्णित आहार, विहार एवं प्राकृतिक औषध से उनका शत–प्रतिशत उपचार संभव है। इन प्रकृति सुलभ औषधियों से होने वाला उपचार निरापद होता है। आयुर्वेद में तीन प्रकार की चिकित्सा बताई गई है। अ. दैवव्यपाश्रय, ब. युक्तिव्यपाश्रय एवं स. सत्वावजय। इन त्रिविध क्रियाओं के माध्यम से मानसिक एवं शारीरिक विकारों की चिकित्सा के उपाय किये जाते हैं। इन के अन्तर्गत मन्त्र, बलि, हवन, सदाचार, औषध, आहार एवं विहार के माध्यम से शारीरिक एवं मानसिक विकारों के शमन की क्रिया की जाती है। इनके अतिरिक्त पुनः दो प्रकार की चिकित्सा बताई गई है। अ. शोधन एवं शमन। इन दोनों प्रकार की चिकित्साओं के अन्तर्गत पांचभौतिक आहार एवं औषधि के माध्यम से चिकित्सा कर्म किये जाने हेतु प्रकृति ने मनुष्य को प्रचुर मात्रा में पांचभौतिक आहार और औषध द्रव्य उपलब्ध उपलब्ध करवाये हैं। आयुर्वेदीय शास्त्रों में इन चिकित्सा कर्मों और पांचभौतिक आहार और औषध के बारे में विस्तार से वर्णन उपलब्ध है। अगर हम हमारे मूल शास्त्रों में वर्णित आयुर्वेद चिकित्सा विज्ञान से सम्बन्धित इन सभी उपादानों का भली भांति शास्त्रीय एवं व्यावहारिक अध्ययन करते हैं तो हम निश्चित ही हमारे पूर्णतः निरापद, प्राकृतिक एवं प्रभावी आयुर्वेद चिकित्सा विज्ञान के माध्यम से मानव मात्र को पीड़ित करने वाले रोगों के शमन में सफल हो सकते हैं।

आयुर्वेद चिकित्सा के इसी निरापद स्वरूप को देखते हुए अब जन सामान्य आयुर्वेद के प्रति जागरुक हो रहा है और समाज में इसकी स्वीकार्यता बड़ी तीव्रता से बढ़ रही है। यही कारण है कि केन्द्र व राज्य सरकारें भी आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा देने में पूर्ण सहयोग कर रही हैं। आयुर्वेद विश्वविद्यालय जैसे अध्ययन के सर्वोच्च केन्द्र की जोधपुर में स्थापना किया जाना भी आयुर्वेद की प्रशासनिक एवं सामाजिक स्वीकार्यता की महत्ता को बताता है। आयुर्वेद परिवार के प्रत्येक सदस्य का दायित्व है कि इस सामाजिक स्वीकार्यता को बनाये रखने के लिए अपनी कर्मठता और विशेषज्ञता को और दृढ़ करे और आयुर्वेद के सिद्धान्तों के आधार पर मानव स्वास्थ्य संरक्षण एवं आतुर प्रशमन के अपने महति कार्य को पूर्ण मनोयोग से सम्पादित करे। इस प्रकार अपने दायित्व के सम्पादन से न केवल आयुर्वेद विज्ञान की प्रतिष्ठा बढ़ेगी अपितु वह यश एवं आजीविका का अर्जन करने के साथ–साथ समाज के प्रति अपने योगदान की सार्थकता में भी सक्षम होगा।

डॉ. राकेश कुमार शर्मा

डॉ. राजेश शर्मा विश्वविद्यालय के प्रबन्ध मण्डल के सदस्य मनोनीत :– दिनांक 7 फरवरी 2019 को तत्कालीन कुलपति प्रो. राधेश्याम शर्मा ने यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद, जोधपुर में स्नातकोत्तर क्रियाशारीर विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा को विश्वविद्यालय के प्रबन्ध मण्डल का सदस्य नियुक्त किया। डॉ. शर्मा दूसरी बार मण्डल के सदस्य मनोनीत हुए हैं। उनका कार्यकाल उनकी नियुक्ति दिनांक से तीन वर्ष तक रहेगा।

हस्त शिल्प मेला, जोधपुर में विश्वविद्यालय की सक्रिय एवं प्रभावी सहभागिता:–राज्य सरकार के उद्योग विभाग द्वारा जोधपुर के रावण का चबूतरा मैदान में दिनांक 04 से 13 जनवरी 2019 तक हस्त शिल्प मेले का आयोजन किया गया। इस मेले का उद्घाटन दिनांक 04 जनवरी 2019 को राजस्थान सरकार के उद्योग मन्त्री श्री परसादी लाल मीणा द्वारा किया गया। मेले में विश्वविद्यालय को पंचकर्म एवं सामान्य चिकित्सा, स्वर्णप्राशन एवं प्रदर्शनी हेतु स्टॉल लगाने हेतु पर्याप्त स्थान उपलब्ध करवाया गया। इस अवसर पर दल प्रभारी स्नातकोत्तर पंचकर्म विभागाध्यक्ष डॉ. महेश शर्मा ने निःशुल्क पंचकर्म एवं सामान्य चिकित्सा उपलब्ध करवाई। स्नातकोत्तर कौमारभृत्य विभागाध्यक्ष डॉ. प्रेम प्रकाश व्यास ने मेले में समागत 16 वर्ष तक के बच्चों को निःशुल्क स्वर्णप्राशन एवं चिकित्सा परामर्श दिया। स्नातकोत्तर पंचकर्म विभाग में सहायक प्रोफेसर डॉ. ज्ञानप्रकाश शर्मा, शल्य तन्त्र विभाग में असिस्टेण्ट प्रोफेसर डॉ. संजय श्रीवास्तव, कौमारभृत्य विभाग में असिस्टेण्ट प्रोफेसर डॉ. हरीश सिंघल, डॉ. दिनेश राय एवं डॉ. राकेश गौड़ ने बड़ी संख्या में लोगों को चिकित्सा परामर्श, स्वाईन फ्लू की रोकथाम हेतु काढ़ा पिलाया। इसके अतिरिक्त स्नातकोत्तर शरीर रचना विभाग में एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. राकेश कुमार शर्मा एवं स्नातकोत्तर द्रव्य गुण विभाग के असिस्टेण्ट प्रोफेसर डॉ. राजेन्द्र प्रसाद पूर्विया ने विश्वविद्यालय एवं इसकी विविध गतिविधियों से सम्बन्धित जानकारी दी और विभिन्न रोगों एवं इनसे बचाव से सम्बन्धित जानकारी हेतु प्रकाशित सामग्री का वितरण किया। मेले में विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के छात्र–छात्राओं एवं पैरामेडिकल स्टॉफ ने भी पूर्ण मनोयोग से सहयोग किया।

इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ युनानी, चराई जिला टोंक द्वारा भी मेले में स्टॉल लगाई गई जिसके अन्तर्गत महाविद्यालय के यूनानी विशेषज्ञों डॉ. सरफराज़ अहमद एवं डॉ. फिरोज़ खान द्वारा जनसामान्य को निःशुल्क यूनानी चिकित्सा परामर्श एवं कपिंग थैरेपी के माध्यम से चिकित्सा लाभ उपलब्ध करवाया गया।

सिकल सैल एनीमिया पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन :–विश्वविद्यालय में दिनांक 5 जनवरी 2019 को स्नातकोत्तर शल्य तन्त्र विभाग एवं एम.एस. रीजनल आयुर्वेदिक रिसर्च इन्स्टीट्यूट फॉर एण्डोक्राईन डिसऑर्डरस्, जयपुर द्वारा सेन्ट्रल कॉऊन्सिल फॉर रिसर्च इन आयुर्वेद इन आयुर्वेद साईन्सेज़, नई दिल्ली के सौजन्य से **Brain Storming Workshop On Sickle Cell Anemia & Its Management Through Ayurveda** विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में सेन्ट्रल कॉऊन्सिल फॉर रिसर्च इन आयुर्वेद इन आयुर्वेद साईन्सेज़, नई दिल्ली के महानिदेशक प्रो. करतार सिंह धीमान, विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति प्रो. राधेश्याम शर्मा, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद के प्राचार्य प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल, डेज़र्ट मेडिसिन रिसर्च सेन्टर, जोधपुर के

निदेशक श्री जी.एस. टोटेजा, श्री मदन मोहन राजकीय आयुर्वेद कॉलेज, उदयपुर के पूर्व प्राचार्य एवं विश्वविद्यालय के आयुर्वेद संकाय के पूर्व डीन प्रो. राज्यवर्द्धन सिंह राय सहित कई राष्ट्रीय स्तर के विद्वान उपस्थित थे।

कार्यशाला में उक्त मानद अतिथियों के अतिरिक्त स्नातकोत्तर शरीर क्रिया विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार शर्मा, स्नातकोत्तर कौमारभृत्य विभाग के असिस्टेण्ट प्रोफेसर डॉ. हरीश सिंघल, डेज़र्ट मेडिसिन रिसर्च सेन्टर, जोधपुर के विशेषज्ञ डॉ. एस.एस. मोहन्ती, बून्दी, राजस्थान से आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. अशोक सक्सेना, उदयपुर राजस्थान से आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. बाबूशंकर आमेटा, कोटा राजस्थान से आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. पत्ता सिंह सोलंकी, बारां राजस्थान से आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. राधेश्याम गर्ग एवं डॉ. रमेश भूत्या ने सिकल सेल एनिमिया से सम्बन्धित अपने शैक्षणिक एवं चिकित्सकीय अनुभव को समुपस्थित प्रतिभागियों के समक्ष अपने व्याख्यानों के माध्यम से प्रस्तुत किया। इनके अतिरिक्त उदयपुर के जनजातीय क्षेत्र में कार्य कर रहे ट्रेडीशनल हीलर्स (गुणी जन) ने भी उनके द्वारा सम्बन्धित रोग पर उनके द्वारा जनजातीय क्षेत्रों में उपयोग की जा रही पारम्परिक जड़ी बूटियों एवं उनके उपयोग से सम्बन्धित अपने अनुभवों के बारे में बताया। कार्यशाला के आयोजन सचिव स्नातकोत्तर शल्य तन्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. ओम प्रकाश दवे थे। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समस्त संकाय सदस्य एवं स्नातकोत्तर छात्र–छात्राओं ने सहभागिता की।

जोधपुर सम्भाग में स्वाईन फ्लू रोकथाम हेतु निःशुल्क क्वाथ वितरण :– जनवरी माह 2019 में जोधपुर सम्भाग में स्वाईन फ्लू के भीषण प्रकोप को ध्यान में रखते हुए इसके रोकथाम हेतु विश्वविद्यालय द्वारा जोधपुर सम्भाग के जिलों बाड़मेर, जैसलमेर, जालौर, सिरोही, पाली एवं जोधपुर में स्वाईन फ्लू क्वाथ वितरण हेतु विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं पैरा–मेडिकल स्टॉफ से युक्त अलग–अलग टीमें गठित की गईं। इन टीमों द्वारा अपने सम्बन्धित जिलों में विभिन्न स्थानों पर जन सामान्य को स्वाईन फ्लू हेतु निःशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं क्वाथ वितरण किया गया।

विश्वविद्यालय के संकायगण द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन :– दिनांक 01 फरवरी 2019 को विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अन्तरराष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन समारोह के अवसर पर विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर स्त्री रोग एवं प्रसूति तन्त्र विभाग में असिस्टेण्ट प्रोफेसर डॉ. रश्मि शर्मा द्वारा लिखित पुस्तक **प्रसूति तन्त्र संदर्शिनी** एवं स्नातकोत्तर शरीर रचना विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राकेश कुमार शर्मा एवं डॉ. निधि श्रीवास्तव, एसोसिएट प्रोफेसर, रचना शारीर, शासकीय आयुर्वेद कॉलेज, जबलपुर के सहलेखन में लिखित पुस्तक **शारीर दर्पण** का विमोचन समारोह में उपस्थित गण–मान्य अतिथियों राजस्थान सरकार के माननीय चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं आयुर्वेद मन्त्री डॉ. रघु शर्मा, विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति प्रो. राधेश्याम शर्मा, राज्य सरकार में आयुर्वेद विभाग के शासन सचिव श्री अश्विनी भगत, उत्तराखण्ड आयुर्वेद विश्वविद्यालय, देहरादून के कुलपति प्रो. अभिमन्यु कुमार, आयुर्वेद विभाग, राजस्थान सरकार की निदेशक श्रीमती स्नेहलता पंवार, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर के निदेशक एवं विश्वविद्यालय के आयुर्वेद संकाय के डीन प्रो. संजीव शर्मा, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद के प्राचार्य प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल आदि विद्वानों के करकमलों से हुआ।

इसके अतिरिक्त स्नातकोत्तर कौमारभृत्य विभाग में असिस्टेण्ट प्रोफेसर डॉ. दिनेश राय द्वारा लिखित पुस्तक **कौमारभृत्य प्रदीपिका–प्रथम भाग** भी महाशिवरात्रि पर्व के पावन अवसर पर साक्षी पब्लिशिंग हाऊस, जयपुर द्वारा प्रकाशित हुई।

राज्य स्तरीय आरोग्य मेला, अजमेर में विश्वविद्यालय की प्रभावी सहभागिता :– राज्य सरकार के आयुर्वेद एवं भारतीय चिकित्सा विभाग द्वारा आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों के व्यापक प्रचार प्रसार हेतु अजमेर में दिनांक 20 से 23 फरवरी 2019 तक राज्य स्तरीय आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। इस मेले का उद्घाटन दिनांक 20 फरवरी 2019 को राजस्थान सरकार के माननीय चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं आयुर्वेद मन्त्री श्री रघु शर्मा द्वारा आयुर्वेद विभाग की निदेशक श्रीमती स्नेहलता पंवार IAS एवं अन्य गण मान्य अतिथियों के सान्निध्य में किया गया।

इस मेले में केन्द्र एवं राज्य सरकार के आयुष विभाग के अन्तर्गत विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों की राजकीय एवं निजी संस्थाओं ने अपने स्टॉल लगाये और मेले में समागत अपार जनसमूह को अपनी अपनी पद्धतियों से सम्बन्धित जानकारी एवं चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की भी मेले में विस्तृत सहभागिता रही। विश्वविद्यालय को मेले में योगाभ्यास, पंचकर्म एवं सामान्य चिकित्सा, स्वर्णप्राशन, प्रकृति परीक्षण एवं प्रदर्शनी हेतु स्टॉल लगाने हेतु पर्याप्त स्थान उपलब्ध करवाया गया। मेले में दल प्रभारी स्नातकोत्तर कौमारभृत्य विभागाध्यक्ष डॉ. प्रेम प्रकाश व्यास एवं स्नातकोत्तर पंचकर्म विभागाध्यक्ष डॉ. महेश शर्मा ने बड़ी संख्या में समागत रोगियों को निःशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं औषधियां उपलब्ध करवायीं। इसी प्रकार रोग एवं विकृति विज्ञान विभाग में सहायक प्रोफेसर डॉ. विष्णु दत्त शर्मा, स्नातकोत्तर कायचिकित्सा विभाग में सहायक प्रोफेसर डॉ. विनोद गौतम, स्नातकोत्तर शल्य तन्त्र विभाग में असिस्टेण्ट प्रोफेसर डॉ. संजय श्रीवास्तव ने बड़ी संख्या में लोगों को चिकित्सा परामर्श एवं स्वाईन फ्लू की रोकथाम हेतु काढ़ा पिलाया। मेले में विश्वविद्यालय में योग गुरु डॉ. चन्द्रभान शर्मा ने अपनी योग टीम के साथ बड़ी संख्या में जन सामान्य को योगाभ्यास करवा कर स्वास्थ्य के प्रति जागरुक किया। इसके अतिरिक्त स्नातकोत्तर स्वस्थवृत्त विभाग के सहायक प्रोफेसर एवं दल सह–प्रभारी डॉ. राहुल पाराशर ने मेले में समागत लोगों का प्रकृति परीक्षण किया। स्नातकोत्तर शरीर रचना विभाग में एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. राकेश कुमार शर्मा एवं स्नातकोत्तर

द्रव्य गुण विभाग के असिस्टेण्ट प्रोफेसर डॉ. राजेन्द्र प्रसाद पूर्विया ने मेले में समागत लोगों को विश्वविद्यालय एवं इसकी विविध गतिविधियों से सम्बन्धित जानकारी दी और विभिन्न रोगों एवं इनसे बचाव से सम्बन्धित जानकारी हेतु प्रकाशित सामग्री का वितरण किया। मेले में विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम एवं योग एवं नेचुरोपैथी प्रमाणपत्र प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के छात्र–छात्राओं एवं पैरामेडिकल स्टॉफ ने भी पूर्ण मनोयोग से सहयोग किया। विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ युनानी, चराई जिला टोंक द्वारा भी मेले में स्टॉल लगाई गई जिसके अन्तर्गत महाविद्यालय के यूनानी विशेषज्ञों डॉ. फिरोज़ खान एवं डॉ. सरफराज़ अहमद द्वारा जनसामान्य को निःशुल्क यूनानी चिकित्सा परामर्श एवं कपिंग थैरेपी के माध्यम से चिकित्सा लाभ उपलब्ध करवाया गया।

विश्वविद्यालय के दल प्रभारी स्नातकोत्तर कौमारभृत्य विभागाध्यक्ष डॉ. प्रेम प्रकाश व्यास एवं स्नातकोत्तर पंचकर्म विभागाध्यक्ष डॉ. महेश शर्मा ने मेले के दौरान समागत आयुष चिकित्सक समूह एवं जनसामान्य हेतु प्रतिदिन आयोजित की जा रही व्याख्यानमाला के अन्तर्गत स्वास्थ्य संरक्षण विषय पर अपने प्रभावी व्याख्यान प्रस्तुत किये। मेले के दौरान आयोजित एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के दल प्रभारी डॉ. प्रेम प्रकाश व्यास एवं डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने निर्णायक के रूप में भी भाग लिया।

गोद ग्राम झालामण्ड में चिकित्सा शिविर का आयोजन :–राजभवन, जयपुर प्रवर्तित अन्त्योदय स्मार्ट विलेज मॉडल योजना के अन्तर्गत विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए ग्राम झालामण्ड में दिनांक 23 जनवरी 2019 को ICICI बैंक एवं राजस्थान आजीविका कौशल विकास निगम के सौजन्य से युवाओं एवं महिलाओं हेतु कौशल विकास शिविर एवं विशिष्ट आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति प्रो. राधेश्याम शर्मा, ICICI बैंक के राज्य स्तरीय अधिकारी श्री माधव राम, आरसेटी के संयुक्त निदेशक श्री सुरेन्द्र सिंह शेखावत, विकास अधिकारी श्री मोहनराम, सरपंच श्री काना राम उपस्थित थे। इस अवसर नोडल ऑफिसर स्नातकोत्तर कौमारभृत्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रेम प्रकाश व्यास एवं सह–नोडल ऑफिसर डॉ. विनोद गौतम व डॉ. राहुल पाराशर, चल चिकित्सा इकाई प्रभारी रोग एवं विकृति विज्ञान विभाग में असिस्टेण्ट प्रोफेसर डॉ. विष्णुदत्त शर्मा, स्नातकोत्तर स्त्री रोग एवं प्रसूति तन्त्र विभाग में असिस्टेण्ट प्रोफेसर डॉ. रश्मि शर्मा, स्नातकोत्तर कौमारभृत्य विभाग के असिस्टेण्ट प्रोफेसर डॉ. हरीश सिंघल एवं व्यास दन्त रोग महाविद्यालय की दन्त चिकित्सा इकाई के चिकित्सकों ने रोगियों को निःशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं औषधि वितरण किया। इस अवसर पर ग्रामवासियों को स्वाईन फ्लू का क्वाथ निःशुल्क पिलाया गया एवं 16 वर्ष तक के बच्चों को निःशुल्क स्वर्णप्राशन करवाया गया।

AIIMS, Jodhpur द्वारा आयोजित क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में छात्रों की सहभागिता :– विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं के दल ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS), जोधपुर द्वारा दिनांक 1–4 मार्च 2019 को आयोजित क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएँ **AURA- 2019** में भाग लिया। इन प्रतियोगिताओं के अन्तर्गत कविता कड़ेला बीएएमएस 16 बैच ने पेन्टिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान, रमेश चौधरी बीएएमएस बैच 2014, संजीव सैनी, आशीष गुर्जर व गणेश चारण सभी बीएएमएस 16 बैच ने छात्रों की 4X100 मीटर रिले दौड़ में द्वितीय स्थान, अमिता पूनिया बीएएमएस बैच 2015 ने छात्राओं की 100 मीटर दौड़ में तृतीय स्थान, एवं ममता उपाध्याय बीएएमएस 16 बैच ने एकल नृत्य प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय की यशवृद्धि की।

राज्य सरकार द्वारा विज्ञापित नर्स/कम्पाउण्डर के पदों हेतु काऊँसलिंग आयोजित :–विश्वविद्यालय परिसर में दिनांक 5 से 15 मार्च 2019 तक राज्य सरकार द्वारा विज्ञापित नर्स/कम्पाउण्डर पदों पर भर्ती हेतु काऊँसलिंग आयोजित की गई। विश्वविद्यालय प्रशासन के निर्देशानुसार यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ आयुर्वेद के प्राचार्य प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल के समन्वयन में आयोजित इस काऊँसलिंग में विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों एवं सहयोगी कर्मचारियों द्वारा उक्त विज्ञापित पदों के विरुद्ध प्राप्त लगभग 6000 आवेदकों के मूल प्रमाण पत्रों एवं अन्य दस्तावेज़ों की गहनता से जाँच की गई। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने राज्य में रिक्त नर्स/कम्पाउण्डर के पदों की भर्ती हेतु आवेदन एवं काऊँसलिंग प्रक्रिया सम्पादित करने की जिम्मेदारी विश्वविद्यालय को दी है।

कड़वड़ स्थित आंगिक संस्थाओं हेतु अंतः कक्षा क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित :– विश्वविद्यालय परिसर में दिनांक 6 मार्च से 15 मार्च 2019 तक विश्वविद्यालय की कड़वड़ स्थित आंगिक संस्थाओं हेतु अन्तःकक्षा क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। तत्कालीन कुलपति प्रो. बलराज सिंह ने दिनांक 6 मार्च 2019 को इन प्रतियोगिताओं का समारोहपूर्वक उद्घाटन किया। उन्होंने क्रिकेट के मैदान पर आयोजित मैच में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल एवं प्रतियोगिता समन्वयक स्नातकोत्तर शरीर रचना विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राकेश कुमार शर्मा के साथ दोनों प्रतिस्पर्द्धी टीमों के कप्तानों के मध्य टॉस करवा कर क्रीड़ा प्रतियोगिताओं का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर संकाय सदस्यों और छात्र–छात्राओं को सम्बोधित करते हुये कुलपति महोदय ने क्रीड़ा प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले छात्र–छात्राओं को शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य संवर्द्धन के लिए खेलकूद एवं इस प्रकार की प्रतियोगिताओं में नियमित सहभागिता के लिए प्रेरित किया। इन प्रतियोगिताओं में क्रीड़ा प्रतियोगिताओं के अन्तर्गत छात्र एवं छात्रा क्रिकेट, छात्र एवं छात्रा वॉलीबाल, छात्र एवं छात्रा कबड्डी, छात्र एवं छात्रा एकल एवं युगल बैडमिन्टन, छात्र एवं छात्रा एकल एवं युगल टेबल टेनिस, छात्र एवं छात्रा एकल एवं युगल कैरम, छात्र एवं छात्रा शतरंज, छात्र एवं छात्रा 100 मीटर दौड, छात्र एवं छात्रा लॉन्ग जम्प, छात्राओं हेतु खो–खो और सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के अन्तर्गत एकल व समूह गायन, एकल व समूह नृत्य एवं पोएट्री प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं के दौरान छात्र एवं छात्राओं के उत्साह एवं जोश का प्रदर्शन देखते ही बनता था। सभी छात्र–छात्राओं ने अपने भरसक प्रयास किये और प्रतियोगिताओं में बढ़–चढकर

हिस्सा लेकर पदक जीतने का प्रयास किया।

अन्तः कक्षा क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का समापन 15 मार्च 2019 को सायंकाल विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति प्रो. बलराज सिंह के मुख्यातिथ्य में आयोजित रंगारंग सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के साथ हुआ। सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के पश्चात् कुलपति प्रो. सिंह ने समस्त प्रतियोगिताओं के विजेता एवं उपविजेता छात्र–छात्राओं को पदक वितरित कर पुरस्कृत किया। इस अवसर पर अपने उद्‌बोधन में कुलपति महोदय ने विजेता छात्र–छात्राओं को बधाई दी और जीतने से वंचित रहे छात्र–छात्राओं को अगली बार प्रतियोगिताओं में पुनः पूर्ण मनोयोग व नये जोश से भाग लेने हेतु प्रेरित किया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल एवं प्रतियोगिताओं के संयोजक डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने भी इस अवसर पर छात्रों को सम्बोधित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संकाय सदस्य एवं छात्र–छात्राएं मौजूद थे।

अन्तः कक्षा क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएँ–2019 की विभिन्न प्रतिस्पर्द्धाओं के परिणाम

क्र.सं	स्पर्द्धा	विजेता	उपविजेता
1.	क्रिकेट	**छात्र** : बी.ए.एम.एस 2016 बैच	बी.ए.एम.एस 2017 बैच
		छात्रा : बी.ए.एम.एस सामूहिक टीम	पी. जी सामूहिक टीम
2.	वॉलीबाल	**छात्र** : पी. जी. 2018 बैच	पी. जी. 2016–17 बैच
		छात्रा : पी. जी. सामूहिक टीम	बी.ए.एम.एस 2015 बैच
3.	कबड्डी	**छात्र** : बी.ए.एम.एस 2016 बैच	बी.ए.एम.एस 2015
		छात्राः बी.ए.एम.एस 2017	बी.ए.एम.एस 2016
4.	कैरम	**छात्र एकलः** विवेक यादव डी.ए.एन.पी. 2016	मुरली पी. जी. 2016
		छात्र युगलः पंकज–योगेश पी. जी. 2018 बैच	राजेश सोनी–सुरेन्द्र पी. जी. 2017
		छात्रा एकलः नीतू सियाग बी.ए.एम.एस 2018	स्वप्निल जायसवाल बी.ए.एम.एस 2016
		छात्रा युगलः स्वप्निल–कविता बी.ए.एम.एस 16	सुमन–नीतू पी. जी. 2018 बैच
		मिश्रित युगलः पंकज–नीतू पी. जी. 2018 बैच	राजेश सोनी–शालिनी पी. जी. 2017
5.	शतरंज	**छात्र** : राजेश सोनी पी. जी. 2017	रोहित राजपाल बी.ए.एम.एस 2014
		छात्रा : हर्षिता बी. एस. सी नर्सिंग 2018	लक्ष्मी चौधरी पी. जी. 2017
6.	खो–खो	**छात्रा** : बी.ए.एम.एस 2016	बी.ए.एम.एस 2017
7.	लम्बीकूद	**छात्र** : अशोक बी.ए.एम.एस 2016 बैच	गणेश बी.ए.एम.एस 2016
		छात्राः हर्षिता बी. एस. सी नर्सिंग 2018	मोनिका बी.ए.एम.एस 2016
8.	टेबल टेनिस	**छात्र एकलः** कृष्ण जाखर बी.ए.एम.एस 2015	अरविन्द कुमार लौहार बी.ए.एम.एस 2013
		छात्र युगल अरविन्द –गणेश बी.ए.एम.एस 13	कृष्ण जाखर–जितेन्द्र मालव बी.ए.एम.एस 2015
		छात्रा एकल हर्षिता बी. एस. सी नर्सिंग 2018	पूजा गुर्जर बी.ए.एम.एस 2016
		छात्रा युगल ममता चौधरी– ममता सैनी बीएएमएस 2015	पूजा गुर्जर– ममता उपाध्याय बी.ए.एम.एस 16
		मिश्रित युगलः कृष्ण जाखर–ममता चौधरी बीएएमएस 15	हेमन्त कुमार–मानवी शर्मा पी.जी. 2016
9.	बैडमिन्टन	**छात्र एकल** आरिफ खान पी. जी. 2018	राकेश बाकोलिया बी.ए.एम.एस 2013
		छात्र युगल पंकज पोटलिया–हर्ष शर्मा पी. जी. 2018	अशोक–वीरेन्द्र बी.ए.एम.एस 2016
		छात्रा एकल हर्षिता बी. एस. सी नर्सिंग 2018	स्वप्निल बी.ए.एम.एस 2016
		छात्रा युगल नीतू सियाग–अंकिता शर्मा पी. जी. 2018	नीतू –अंजलि पी. जी. 2017
10.	100 मी. दौड़	**(छात्र वर्ग)** अतुल सिंह यादव बी.ए.एम.एस 2018	रमेश बीएएमएस 14 व अशोक बीएएमएस 16
		(छात्रा वर्ग) हर्षिता बी. एस. सी नर्सिंग 2018	सोनू स्वामी बी.ए.एम.एस 2015
11	गायन	**एकल गायन** डॉ. मयूख पी.जी. 2016	डॉ. निधि अवस्थी पी.जी 2018
12		**समूह गायन** डॉ. निधि अवस्थी/डॉ. नीतू पी.जी 2018	स्वप्निल एवं ग्रुप बीएएमएस 2016
13	नृत्य	**एकल नृत्य** डॉ. अंकिता शर्मा पीजी 2018	ऋतु बीएससी नर्सिंग 18 व ममता बीएएमएस16
14		**सामूहिक नृत्य** रोशनी एवं ग्रुप बीएएमएस 2018	राजमहिषी एवं ग्रुप बीएएमएस 2015
15.	पोएट्री	नीतिका शर्मा पीजी 2018	स्वप्निल बीएएमएस 2016

गणतन्त्र दिवस का समारोहपूर्वक आयोजन :– दिनांक 26 जनवरी 2019 को भारत का गणतन्त्र दिवस समारोह विश्वविद्यालय प्रांगण में समारोहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर अपने अभिभाषण में तत्कालीन कुलपति महोदय प्रो. राधेश्याम शर्मा ने विश्वविद्यालय द्वारा जनसामान्य हेतु चलायी जा रही विशिष्ट चिकित्सा सुविधाओं स्वर्णप्राशन, मधुमेह निवारण, कैंन्सर चिकित्सा, वेलनेस सेन्टर आदि का विशेष रूप से वर्णन किया और विश्वविद्यालय परिवार को इस प्रकार की विशिष्ट सेवाओं में पूर्ण मनोयोग से कार्य करने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय आयुष शिक्षा, चिकित्सा एवं अनुसन्धान के क्षेत्र में पूर्ण निष्ठा से सन्नद्ध है और वैश्विक पटल पर बड़ी तेज़ी से अपना स्थान बना रहा है। इस अवसर पर आयोजित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्र–छात्राओं द्वारा भावपूर्ण प्रस्तुतियां दी गयीं।

गणतन्त्र दिवस पर विश्वविद्यालय के कार्मिकों का सम्मान :–दिनांक 26 जनवरी 2019 को तत्कालीन कुलपति प्रो. राधेश्याम शर्मा ने विश्वविद्यालय की विभिन्न आंगिक संस्थाओं/अनुभागों में कार्यरत निम्न सूची में वर्णित विभिन्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके द्वारा दी गई विशिष्ट सेवाओं के लिए गणतन्त्र दिवस के अवसर पर पुष्पगुच्छ, श्रीफल एवं प्रशस्ति–पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

Whatever you are, be a good one.

पुनर्नवा प्रशिक्षण कार्यशाला के अन्तर्गत संकाय सदस्यों द्वारा व्याख्यान प्रस्तुति :– राज्य सरकार द्वारा जोधपुर सम्भाग के आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों हेतु दिनांक 15–17 मार्च 2019 तक आयोजित तीन दिवसीय पुनर्नवा प्रशिक्षण कार्यशाला में विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों द्वारा समुपस्थित चिकित्सकों को विभिन्न विषयों पर विद्वतापूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किये गये। इसके अन्तर्गत स्नातकोत्तर शल्य तन्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर ओम प्रकाश दवे ने Introduction, Preparation and Indications of Ksharsutra, Management of Piles, Polyps and Fistula एवं इसी विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राजेश गुप्ता ने Introduction, Scope and Management in Various Ailments, स्नातकोत्तर पंचकर्म विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. महेश शर्मा ने Introduction, Scope of Panchakarma in Management of Acute and Chronic Ailments, Principles of Snehana, Swedana, Vamana, Virechana, Basti Techniques व इसी विभाग में असिस्टेण्ट प्रोफेसर डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा ने Techniques of Acupressure, Points of Acupressure Organwise, स्नातकोत्तर रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग में असिस्टेण्ट प्रोफेसर डॉ. मनीषा गोयल ने Preparation of Aushadh (Rasmanikya, Parpati, Amritdhara, Face pack etc.), रोग एवं विकृति विज्ञान विभाग में असिस्टेण्ट प्रोफेसर डॉ. अरुण दाधीच ने Various Investigations, Imaging Techniques, Other Techniques, स्नातकोत्तर कायचिकित्सा विभाग में असिस्टेण्ट प्रोफेसर डॉ. विनोद गौतम ने Scope of Ayurveda in Joint Disorders एवं स्नातकोत्तर द्रव्यगुण विभागाध्यक्ष डॉ. चन्दन सिंह ने Use of Fresh Herbs Available, Govt. Schemes for Medicinal Plants, Use of Medicines Available in Kitchen विषय पर व्याख्यान दिये।

विश्वविद्यालय द्वारा सम्मानित शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सूची

क्र	अधिकारी/कर्मचारी	पदनाम	विभाग/ प्रभाग/ शाखा
1	प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल	प्राचार्य एवं प्रोफेसर	स्नातकोत्तर रसशास्त्र विभाग
2	डॉ. राजेश कुमार शर्मा	एसो. प्रोफेसर व विभागाध्यक्ष	स्नातकोत्तर शरीर क्रिया विभाग
3	डॉ. श्योराम शर्मा	असिस्टेण्ट प्रोफेसर	स्नातकोत्तर शरीर रचना विभाग
4	डॉ. दिनेश चन्द्र शर्मा	असिस्टेण्ट प्रोफेसर	स्नातकोत्तर शरीर क्रिया विभाग
5	डॉ. कविता शर्मा	असिस्टेण्ट प्रोफेसर	स्नातकोत्तर अगद तन्त्र विभाग
6	डॉ. फिरोज़ खान	यूनानी चिकित्साधिकारी(प्रति)	यूनि. कॉलेज ऑफ यूनानी, टोंक
7	श्री पप्पूराम विश्नोई	सरपंच	घड़ाव ग्राम पंचायत, जोधपुर
8	श्री सुरेन्द्र सिंह	सहायक लेखाधिकारी द्वितीय	लेखा शखा
9	श्री सुनील विश्नोई	सहा. फार्मासिस्ट	यूनि. आयुर्वेद चिकित्सालय, करवड़
10	श्रीमती वन्दना सांखला	स्टॉफ नर्स	सेटे. आयुर्वेद चिकित्सालय, पूंजला
11	श्री महेन्द्र कुमार खटोड़	कनिष्ठ सहायक	विश्वविद्यालय प्रशासनिक खण्ड
12	श्री मनोज दवे	कनिष्ठ सहायक	विश्वविद्यालय प्रशासनिक खण्ड
13	श्री अशोक धणादिया	कनिष्ठ सहायक	विश्वविद्यालय प्रशासनिक खण्ड
14	श्री भवानी सिंह	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	विश्वविद्यालय प्रशासनिक खण्ड
15	श्री नारायण राम	वाहन चालक (ठेका)	विश्वविद्यालय प्रशासनिक खण्ड

बी.एससी. नर्सिंग व डीएएनपी पाठ्यक्रम के छात्र/छात्राओं हेतु शैक्षणिक भ्रमण आयोजित :– यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ नर्सिंग के छात्र/छात्राओं हेतु 27 मार्च 2019 से 05 अप्रेल 2019 तक एक शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया। इसके अन्तर्गत स्नातकोत्तर शरीर क्रिया विभाग के असिस्टेण्ट प्रोफेसर डॉ. जितेन्द्र स्वामी के नेतृत्व में बी.एससी. नर्सिंग व डी. ए.एन.एण्ड पी. के कुल 32 छात्र/छात्राओं के दल को गंगटोक (सिक्किम), दार्जिलिंग (प.बंगाल) व वाराणसी (उत्तरप्रदेश) की यात्रा करवायी गयी। यात्रा के दौरान गंगटोक की जीवन शैली, उपलब्ध वनस्पतियों व वन्य जीवों के बारे में अवगत करवाया गया। दुर्गम चांगू लेक की बर्फीली परिस्थितियों की आत्ययिक अवस्था व मैनेजमेन्ट के बारे में प्रायोगिक डेमो दिया गया। दार्जिलिंग के चाय बागान, जन्तुशाला, औषधीय पादपों व हिमालयन माउण्टेनियरिंग इन्स्टीट्यूट के बारे में नर्सिंग छात्रों को अवगत करवाया गया। वाराणसी में गंगा दर्शन करवाकर स्वच्छता, जल संरक्षण व गंगा महत्त्व से अवगत करवाया गया, साथ ही तीनों क्षेत्रों की चिकित्सा व्यवस्था से भी अवगत करवाया गया। उक्त यात्रा में क्रिया शारीर विभाग के प्रयोगशाला तकनीशियन श्री योगेश कुमार व सहायक कर्मचारी ओमप्रकाश ज्याणी भी साथ रहे।

विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों द्वारा प्रदत्त व्याख्यानः– राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा दिनांक 10 एवं 11 जनवरी 2019 को आयोजित **National Workshop on Development and Validation of Assessment Criteria of Snidgdhadi Guna of Kapha Dosha** विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में मौलिक सिद्धान्त विभाग के विभागाध्यक्ष **डॉ. मनोज शर्मा** एवं इसी विभाग में असिस्टेण्ट प्रोफेसर **डॉ. देवेन्द्र चाहर** तथा स्नातकोत्तर शरीर क्रिया विभाग के विभागाध्यक्ष **डॉ. राजेश शर्मा** एवं इसी विभाग में असिस्टेण्ट प्रोफेसर **डॉ. दिनेश शर्मा** द्वारा कफ दोष के स्निग्धादि गुणों पर राष्ट्रीय स्तर के विद्वानों के साथ विद्वतापूर्ण चर्चा की गई।

स्नातकोत्तर शल्यतन्त्र विभाग में असिस्टेण्ट प्रोफेसर **डॉ. संजय श्रीवास्तव** ने रक्षा प्रयोगशाला, जोधपुर द्वारा दिनांक 14–15 मार्च 2019 को आयोजित **देश के सुरक्षा परिदृश्य में वैज्ञानिक अनुसन्धान की भूमिका** थीम पर आयोजित राजभाषा वैज्ञानिक संगोष्ठी में **आखिर कब तक– एण्टीबायोटिक्स सेवन** विषय पर पत्रवाचन किया। इसी संगोष्ठी में स्नातकोत्तर स्त्री रोग व प्रसूति तन्त्र विभाग में असिस्टेण्ट प्रोफेसर **डॉ. रश्मि शर्मा** ने भी **प्रसव पश्चात् योग का महत्त्व** विषय पर पत्रवाचन किया।

मौलिक सिद्धान्त विभागाध्यक्ष **डॉ. मनोज शर्मा** ने दिनांक 9 मार्च 2019 को रामकृष्ण आयुर्वेद कॉलेज, बैंगलोर में समुपस्थित महाविद्यालय संकाय एवं स्नातकोत्तर छात्रों के लिए एक मोटिवेशनल लेक्चर प्रस्तुत किया जिसमें उन्होंने आयुर्वेद चिकित्सा के अन्तर्गत अपने अनुभव साझा किये।

स्नातकोत्तर शरीर रचना विभाग के एसोसियेट प्रोफेसर **डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने** दिनांक 9 मार्च 2019 को श्री बीजी गरैया आयुर्वेद कॉलेज, राजकोट में छात्र–छात्राओं को

We are twice armed if we fight with faith.

शरीर रचना विषय के मूल सिद्धान्तों पर एक विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस दौरान महाविद्यालय के प्राचार्य, संकाय सदस्य एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित थे।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर के स्नातकोत्तर शल्य तन्त्र विभाग द्वारा 2–3 फरवरी 2019 को आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार **Proctocon-2019** में विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर शल्य तन्त्र विभाग के एसोसियेट प्रोफेसर **डॉ. राजेश गुप्ता** ने विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

स्नातकोत्तर अगद तन्त्र विभाग में असिस्टेण्ट प्रोफेसर **डॉ. सुनीता गोदारा** ने राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में दिनांक 11–16 फरवरी 2019 तक अगदतन्त्र विभाग के शिक्षकों एवं स्नातकोत्तर कौमारभृत्य विभाग में असिस्टेण्ट प्रोफेसर **डॉ. हरीश सिंघल** ने राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़ में दिनांक 18–23 फरवरी 2019 तक कौमारभृत्य विभाग के शिक्षकों हेतु आयोजित CME प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

स्वर्णप्राशन अभियान की स्वर्णिम यात्रा जारी :– बाल स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता एवं समुचित वृद्धि एवं विकास के लिये विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्रतिमासिक स्वर्णप्राशन कार्यक्रम दिनांक 21 जनवरी, 18 फरवरी एवं 17 मार्च 2019 को पुष्य नक्षत्र के अवसर पर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) की आयुष ओ.पी.डी. में, शनिश्चर जी का थान, आंगिक आयुर्वेद चिकित्सालय–कड़वड़, सैटेलाईट आयुर्वेद चिकित्सालय–मगरा पूंजला और गोद–ग्राम घड़ाव के राजकीय विद्यालय में आयोजित किया गया। इनमें 21 जनवरी को 1258, दिनांक 18 फरवरी को 1253, एवं 17 मार्च 2019 को 1527 सोलह वर्ष तक के बच्चों को स्वर्णप्राशन करवाया गया।

Role of Vamana Karma & Ayurvedic Herbal Preparations in PCOD - A Case Report

Dr. Rashmi Sharma, Assistant Professor, PG Department of Prasuti Tantra & Stree Roga

A number of women of reproductive age all over the world suffer from the hormonal disorder "Poly-cystic Ovarian Disease" (PCOD). It is a condition where a woman develops enlarged ovaries characterized by multiple small cysts that are of the diameter of 0.5-1.0cm. Common symptoms of PCOD are menstrual abnormalities (amenorrhea or oligomenorrhea), infertility, hirsutism, skin problems, acne, obesity, depression or anxiety. In Ayurveda PCOD can be correlated with Aartava Kshaya or with one of the type of Jataharini (i.e. Pushpagni). The Lakshana of Aartava Kshaya is Yathochita Kala Adarshana means Apravritti of Aartava in its Yogya Kala (it may be delayed or get disappeared). Aartava becomes Alpa in Pramana (less bleeding) and Yonivedana is also available.

A female aged 30 years, married 5 years back, anxious to conceive, housewife was examined in the hospital OPD on 26-09-2018 (OPD No.40887/17-18) for PCOD. She had no previous history of secondary amenorrhea, gonorrhea, syphilis, tuberculosis, mumps, exposure to radiation or any toxin or chemical agent. She had history of PCOD from four years & for PCOD and for infertility she had undergone conventional therapy but got no relief. The treatment was done by Vamana Karma along with Shamana Yoga. During treatment patient was advised to take *Samayak Aahara* (like green vegetables, fruits, milk etc.). Ati Ushna, Tikshna, Amla and Snigdha (oily) Aahara was advised to be avoided during the treatment period.

Medicines used for Shodhana Karma (Vamana)

SN	Drugs	Days	Matra (Dose)
1	Snehapana with Go-ghrita •	For 7 days	Ist day-30 ml, then Matra was increased daily upto 130 ml till Lakshana of Samyak Siddhi was found
2	Abhyanga done with Mahanarayana Taila along with Sarvanga Swedana	For 3 days	-
3	Vamana (with Yasthimadhu + Haridra + Ghrita + Ksheera + Madhu		Matra decided according to Koshtha and Bala of patient.

•Before Snehapana, Chitrakadi Vati + Trikatu Churna was given for 3 days (for improving Agnideepana & Paachana)

Shamana Yoga (Twice daily)

Yoga	Matra	Anupana
Dashmula Kashaya	15ml	Jala
Kanchnara Guggulu	250mg	Jala
Pashanvajra Rasa	250mg	Jala

After this treatment, successful conception took place in the patient.

CASE STUDY

Diagnostic Findings Before Treatment

Diagnostic Findings After Treatment

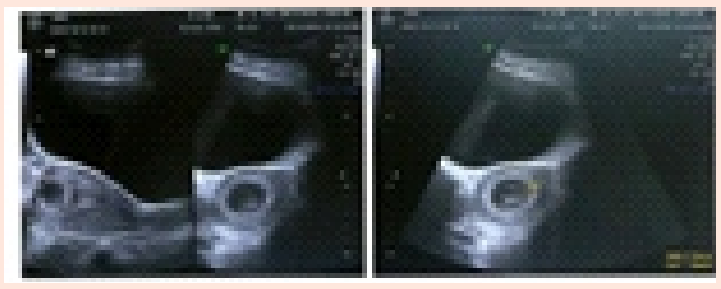

स्वत्त्वाधिकारी डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के लिए डॉ. राकेश कुमार शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, रचना शारीर विभाग द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित तथा विजय प्रिन्टर्स, त्रिपोलिया बाज़ार, जोधपुर से मुद्रित एवं डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, कड़वड़ नागौर रोड, जोधपुर से प्रकाशित। सम्पादक: डॉ. राकेश कुमार शर्मा

प्रिण्टेड बुक — भारत सरकार की सेवार्थ

सेवा में .....

.....

.....